भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

PRESS RELEASE

एलआईसी ने रु 1.84 लाख करोड़ ही प्रीमियम आय के साथ (अनंतिम आकड़ों अनुसार) इतिहास रचा. गाहकों को किया 1.34 लाख करोड़ का दावा भुगतान।

देश के सबसे बड़े जीवन बीमा प्रदाता भारतीय जीवन बीमा निगम ने नव व्यवसाय के क्षेत्र में अपना अच्छा प्रदर्शन जरी रखा है. कोरोना महामारी के इस चुनौतीपूर्ण दौर में भी एल.आई.सी. ने उम्दा प्रदर्शन किया है।

हाल ही में समाप्त हुए वित्त वर्ष में एल.आई.सी. ने व्यक्तिगत बीमा व्यवसाय के क्षेत्र में , गत वर्ष की तुलना में 10.11% वृद्धि के साथ रु 56,406 करोड़ की प्रीमियम आय अर्जित की है जो की अभी तक का सर्वोच्च आंकड़ा है। इसी अवधि के दौरान एल.आई.सी ने 2.10 करोड़ पॉलिसियों का भी विक्रय किया है। इसमें से केवल मार्च के महीने में ही 46.72 लाख पॉलिसी ग्राहकों दवारा खरीदी गई है जोकि गत वर्ष के तुलना में 298.82 फीसदी ज्यादा है।

बीमा बाजार में अगर हिस्सेदारी की बात करें तो पॉलिसी के मानक पर, मार्च के महीने में एल.आई.सी की हिस्सेदारी 81.04 % रही वही प्रीमियम में 64.74% थी।

वार्षिक आकड़ों पर गौर करें तो वित्त वर्ष में पॉलिसी के क्षेत्र में एल.आई.सी की हिस्सेदारी 74.58 % रही वही प्रीमियम में 66.18% रही।

एल.आई.सी के पेंशन एवं ग्रुप स्कीम वर्टिकल ने गत वर्ष की प्रीमियम आय रु 1,26,749 करोड़ के रिकॉर्ड को तोडते हुए इस वर्ष 31, 795 स्कीम के अंतर्गत रु 1,27,768 करोड़ की प्रीमियम आय अर्जित की है।

इस वर्ष 3,45,469 अभिकर्ताओं को अपनी टीम में जोड़कर एल.आई.सी. ने अपना एजेंसी आधार 13,53,808 अभिकर्ताओं का बना लिया हैं। एल.आई.सी. के पास वर्तमान में 16,564 एम.डी.आर.टी. तथा 26,997 शतकवीर अभिकर्ता हैं।

बेन्कश्योरेंश एवं अल्टरनेट वर्टिकल ने 2,46,910 पॉलिसियों का विक्रय कर 1,862.73 करोड़ प्रीमियम का संकलन किया है। इस वर्टिकल ने पॉलिसी के क्षेत्र में 0.58 % तथा प्रीमियम में 23.46 % की वृद्दि दर्ज की हैं।

यूलिप के क्षेत्र में अपनी दो योजनाओं सीप एवं निवेश प्लस के माध्यम से एल.आई.सी ने जोरदार वापसी की हैं। इन 2 योजनाओं के अंतर्गत लगभग 90,000 पॉलिसियों का विक्रय कर

रु. 800 करोड़ की प्रीमियम आय एल.आई.सी ने अर्जित की है॰ इन योजनाओं से संबंधित एनएवी, पोर्टफोलियो की वैल्यू एवं स्विचिंग ओप्शन ऑनलाइन भी उपलब्ध करा दिए गए हैं।

कोविड महामारी के इस कठिन समय मे भी एलआईसी ने मैच्योरिटी, मनी बैक एवं पेंशन योजनाओं के 2.19 करोड़ दावों के अंतर्गत 1,16,265.15 करोड़ की राशि का भुगतान किया हें । 9.59 लाख मृत्यु दावों के अंतर्गत 18,137.34 करोड़ की राशि का भुगतान एल.आई.सी. द्वारा किया गया हें । मार्च 2021 में किए जाने वाले पेंशन दावों का भी एलआईसी ने समय से पूर्व भुगतान किया हें ।

ग्राहक सेवा से संबंधित है नई एवं आधुनिक तकनीकों को उपलब्ध कराने में एलआईसी हमेशा ही अग्रणी रहा हें । पॉलिसी के रिनुअल प्रीमियम, लोन तथा लोन इंटरेस्ट का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से किया जा सकता हें । इंटरनेट बैंकिंग, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, यूपीआई , पे-टीएम , फोन-पे ,गूगल पे, अमेज़न-पे और मोबिक्विक के माध्यम से बिना किसी शुल्क का भुगतान किए ग्राहक अपना प्रीमियम तथा लोन की किस्त जमा कर सकते हें । नैच तथा डायरेक्ट डेबिट के द्वारा भी ग्राहक अपना प्रीमियम जमा कर सकते हें । इसके साथ ही ऑनलाइन लोन एप्लीकेशन, एड्रेस परिवर्तन, नेफ्ट डिटेल्स तथा पेन अपडेशन की सुविधा भी उपलब्ध हें । जिन पॉलिसी धारकों ने अपने प्रस्ताव में ई-मेल आईडी प्रदान की हें उन्हे ई-पॉलिसी बॉन्ड की कॉपी ई-मेल के माध्यम से नि:शुल्क प्रेषित की जाती हें । अभी हाल ही में LICdocQ ऐप के माध्यम से बंद पड़ी पॉलिसियों को एल.आई.सी. के किसी भी सटेलाइट शाखा सहित किसी भी शाखा में दोबारा चालू कराया जा सकता हें । हम स्वयंसेवा विकल्पों माध्यम से ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए लगातार नए तकनिकी उपकरणों को अपना रहे हैं।

एलआईसी द्वारा वित वर्ष 2020-21 में सफलता के नए आयाम स्थापित किए गए हें। इन लक्ष्यों को कर्मचारियों, अभिकर्ताओं एवं चैनल पार्टनर की समर्पित सहभागिता के बगैर नहीं पाया जा सकता था । हम इन सभी के प्रति आभारी हें जिन्होंने ऐसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी पूरे उत्साह एवं लगन के साथ अपने दायित्व का निर्वहन किया हें। हम अपने ग्राहकों के भी आभार व्यक्त करते हें जिन्होंने हमारे ऊपर अटूट भरोसा कायम रखा।

20 अप्रैल, 2021 को मुंबई में दिनांकित

आगे की जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें :
कार्यकारी निदेशक (निगमित सम्प्रेषण)
भारतीय जीवन बीमा निगम, केंद्रीय कार्यालय, मुंबई।
ईमेल आईडी: ed_cc@licindia.com,
हमें www.licindia.in पर देखें ।